M.A. Examination 2017
Semester-II
Hindi
Course : V
(छायावादोत्तर काव्य)

Time : 3 Hours **Full Marks : 40**

Questions are of value as indicated in the margin

1. निम्नलिखित अवतरणों में से किन्हीं **दो** की आलोचनात्मक व्याख्या कीजिए – 2×8=16

(क) नदी तुम बहती चलो।
भूखंड से जो दाय हमको मिला है, मिलता रहा है,
माँजती, संस्कार देती चलो। यदि ऐसा कभी हो–
तुम्हारे आह्लाद से या दूसरों के
किसी स्वैराचार से, अतिचार से,
तुम बढ़ो, प्लावन तुम्हारा घरघराता उठे–

(ख) विगत शत पुण्य का आभास
जंगली हरी कच्ची गंध में बसकर
हवा में तैर
बनता है गहन संदेह
अनजानी किसी बीती हुई उस श्रेष्ठता को जो कि
दिल में एक खटके-सी लगी रहती।

(ग) पढ़ो रक्त की भाषा को, विश्वास करो इस लिपि का;
यह भाषा, यह लिपि मानस को कभी न भरमायेगी।
छली बुद्धि की भाँति, जिसे सुख-दुख से भरे भुवन में
पाप दीखता वहाँ जहाँ सुन्दरता हुलस रही है,
और पुण्य-चय वहाँ जहाँ कंकाल, कुलिश, काँटे हैं।

(घ) काल, तुझसे होड़ मेरीः अपराजित तू–
तुझमें अपराजित मैं वास करूँ।
इसीलिए तेरे हृदय में समा रहा हूँ
सीधा तीर-सा, जो रुका हुआ लगता हो–

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **दो** के उत्तर दीजिए – 2×12=24

(क) 'असाध्यवीणा' की काव्यगत विशेषताओं का विवेचन कीजिए।

(ख) कवि मुक्तिबोध का महत्त्व निरूपित कीजिए।

(ग) 'उर्वशी' के काव्यसौंदर्य का वर्णन कीजिए।

(घ) 'शमसेर एक खास सोच और तेवर वाले कवि हैं'– इस कथन की व्याख्या कीजिए।